भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान
खण्डवा रोड, इंदौर 452001

फा.क्र. प्रेस एवं मिडिया/पब्लिसिटी/2025 **दिनांक**

01.09.2025

प्रेस नोट-

राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान में मनाया जा रहा हैं हिंदी पखवाडा

राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान में हुआ हिंदी पखवाड़े का उद्घाटन

राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार प्रत्येक वर्ष की तरह ICAR-राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान, इंदौर द्वारा दिनांक 1 से 17 सितम्बर 2025 के दौरान मनाये जा रहे हिंदी पखवाड़े का आज उद्घाटन हुआ. समारोह के मुख्य अतिथि थे, भारतीय सरसों अनुसन्धान संस्थान, भरतपुर , राजस्थान के पूर्व निदेशक डॉ धीरज सिंह, जबकि अध्यक्षता की राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान के निदेशक डॉ के. एच. सिंह ने . कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्थान की राजभाषा प्रभारी डॉ पूनम कुचलन ने इस पखवाड़े के दौरान आयोजित की जा रही प्रतियोगिताएं एवं अन्य गतिविधियों की जानकारी दी. उनके अनुसार विभिन्न वर्गों के कर्मचारियों के लिए श्रुति लेखन, निबंध लेखन, स्लोगन, टिप्पण लेखन जैसी प्रतियोगिताओं के साथ-साथ हिंदी कार्यशाला का भी आयोजन किया जाएगा. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ धीरज सिंह ने कहा कि प्रत्येक 40 मील के बाद भाषा का स्वरुप बदलता हैं, लेकिन भाषा ही लोगों के रिश्तों को जोड़ने का काम करती हैं. संस्थान के निदेशक डॉ के.एच. सिंह ने इस अवसर पर कहा कि देश में इतनी सारी भाषाएँ होने के बावजूद भी हिंदी एक ऐसी भाषा हैं जो पुरे देश की भाषा के रूप में परिलक्षित होती हैं. उनके अनुसार राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान के वैज्ञानिकों एवं अन्य

कर्मचारियों द्वारा कार्यालयीन कामकाज में हिंदी के प्रयोग के लिए संस्थान पूर्व में भी राजभाषा विभाग के कई ख्यात पुरस्कार प्राप्त हुए हैं.

•